न्यूयॉर्क में गोल मेज बैठक में टेक दिग्गज बोले, तकनीक की दुनिया का केंद्र बनने की राह पर भारत

भारत में दुनिया के लिए तकनीक, डिजाइन पर काम करें कंपनियां

आह्वान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरे के दौरान 15 अमेरिकी टेक कंपनियों के सीईओ से मुलाकात की। लोटे न्यूयॉर्क पैलेस होटल में रविवार को आयोजित गोल मेज बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीकी कंपनियों को भारत में दुनिया के लिए तकनीक विकसित करने और डिजाइन करने का अवसर देखना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था और तकनीक तेजी से तरक्की कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीईओ से कहा कि भारत ने डिजाइन, कौशल और नवाचार के क्षेत्र में भारी निवेश किया है। आने वाले समय में भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 1.5 करोड़ डॉलर का निवेश करेगा। बैठक के बाद एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीकी कंपनियों के सीईओ के साथ सार्थक वार्ता हुई है।

विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री ने बैठक में सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी कंपनियों को इस अवसर को हाथों हाथ लेते हुए भारत के साथ तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कंपनियों के सीईओ से तकनीक और नई खोज की दिशा में भी गहन चर्चा की। भारत ने इस क्षेत्र में जो तरक्की की है उसका भी जिक्र उन्होंने किया। तकनीकी दिग्गजों के साथ एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों पर भी विस्तार से चर्चा हुई है।

मोदी के साथ मुलाकात में तकनीकी कंपनियों के दिग्गजों ने तकनीक के क्षेत्र में भारत के बढ़ते दखल को भी सराहा। दिग्गजों ने कहा कि भारत अपनी कोशिशों और नवाचार के क्षेत्र में नई खोज के बूते तकनीक की दुनिया का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर है। कंपनियों ने भारत में निवेश करने में रुचि तो दिखाई ही, नए स्टार्टअप में निवेश की इच्छा रखी जिससे आधुनिक तकनीक पर अच्छा काम हो।

न्यूयॉर्क में रविवार को लोटे न्यूयॉर्क पैलेस होटल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेक कंपनियों के सीईओ। • [illegible]

15 टेक कंपनियों के सीईओ से मिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

■ प्रधानमंत्री ने कहा, देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का है लक्ष्य

गूगल और एनवीडिया निवेश के इच्छुक

गूगल और एनवीडिया ने एआई के क्षेत्र में भारत में निवेश के लिए रुचि दिखाई है। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा एआई के बारे में जानने के इच्छुक रहते हैं। भारत दुनिया के कंप्यूटर वैज्ञानिकों का गढ़ है यहां हमेशा बड़े मौके रहते हैं। गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि भारत के लोगों को एआई का लाभ मिले।

बौद्धिक संपदा की सुरक्षा प्रतिबद्धता

प्रधानमंत्री ने सभी सीईओ से कहा कि भारत की गहरी प्रतिबद्धता बौद्धिक संपदा की सुरक्षा और नवाचार बढ़ाने पर है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलाव हो रहा है। खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, उत्पादन और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत बेहतर काम कर रहा। उन्होंने कहा, भारत सरकार का लक्ष्य सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत को उत्पादन का वैश्विक केंद्र बनाना है।

भारत बायो-ई3 का पावर हाउस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक के दौरान देश के बायो-ई3 को लेकर भी चर्चा की। बी- बायोटेक्नोलॉजी, ई- अर्थव्यवस्था और ई-पर्यावरण को इंगित करता है। उन्होंने कहा कि सरकार भारत को बायो-ई3 क्षेत्र में पावर हाउस बनाने के लिए नीति पर काम कर रही है। उन्होंने ये भी कहा कि भारत की नीति सभी के लिए एआई को बढ़ावा देने की है, बशर्ते उसका नैतिकता और जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल सुनिश्चित हो।

बैठक की खास बातें...

1. तकनीक और नवाचार के क्षेत्र भागीदारी बढ़ाने पर जोर
2. एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर पर चर्चा हुई
3. एआई का प्रयोग नैतिकता और जिम्मेदारी के साथ हो
4. बायो-ई3 क्षेत्र में देश को पावर हाउस बनाने की योजना
5. सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत को वैश्विक केंद्र का लक्ष्य है

पीएम ने देश की तरक्की बताई

- भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र 150 अरब डॉलर का है। 2030 तक 500 अरब डॉलर का लक्ष्य।
- इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 60 लाख नौकरियों के सृजन का लक्ष्य रखा
- भारत ने नवाचार, शोध को बढ़ावा देने के लिए 12 अरब डॉलर का रिसर्च फंड शुरू किया है।
- अगले दो वर्षों में 85 हजार टेक्नीशियन, इंजीनियर, आरएंडडी एक्सपर्ट तैयार करने की योजना।
- युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार तैयार कर रहा है भारत।

काम बढ़ाने में रुचि दिखाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बैठक के बाद टेक कंपनियों के सीईओ ने भारत में काम बढ़ाने में रुचि दिखाई है। कंपनियों ने कहा कि भारत तकनीक के क्षेत्र का बड़ा केंद्र है और वहां पर अपार मौके हैं। ऐसे में कंपनियां भारत में अपने अनुसार अवसर जरूर तलाशेंगी।

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात सार्थक रही है। वे दशकों आगे की सोचते हैं और भारत को तकनीक की दुनिया में नए मुकाम पर ले जाने की इच्छा रखते हैं। कंपनी भारत में अपने विस्तार पर ध्यान देगी। **-जूली स्वीट,** सीईओ, एक्सेंचर

> भारत 21वीं सदी का तकनीक की दुनिया का केंद्र है। भारत में पर्याप्त कौशलवान है। ऐसे में यहां काम का मौका अच्छा है। भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में कंपनी अपने काम के लिए अवसर तलाशेगी। **-क्रिस विहेबर,** सीईओ, बायोजेन

> भारत में तकनीक के क्षेत्र में अपार मौके हैं। कंपनी भारत में अपने कदम को और मजबूत करेगी। पीएम के साथ बैठक में हमने समझा है कि हमें भारत में विस्तार के लिए क्या करना होगा।
> **-एनरिक लोरेस,** सीईओ, एचपी इंक

> ऊर्जा क्षेत्र में भारत में बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। कंपनी भारत को इस क्षेत्र में पूरा सहयोग करने को तैयार है। भारत में कोयला संयंत्रों को छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर में बदलने की सलाह दी है। **-क्रिस सिंह,** सीईओ, होलटेक इंटरनेशनल

> कंपनी भारत में शोध केंद्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। पहले से शोध केंद्र है। कंपनी भारत की फार्मा कंपनियों के साथ मिलकर मोटापे, मधुमेह जैसी बीमारियों पर काम की योजना बना रही है।
> **-डेविड रिक्स,** सीईओ, एली लिली, फार्मा कंपनी

नए सेमीकंडक्टर प्लांट की योजना

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में नए सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए नई योजना का ऐलान किया है। व्हाइट हाउस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित प्लांट में इन्फ्रारेड गैलियम नाइट्राइड और सिलिकॉन कार्बाइड सेमीकंडक्टर बनाने की योजना है। मोदी और बाइडन के बीच डेलावेयर में शनिवार को हुई बैठक में इस पर चर्चा हुई थी। भारत के सहयोग से इस संयंत्र को स्थापित किया जाएगा। जानकारी के अनुसार इसकी शुरुआत भारत सेमी, थर्डआई टेक इंक और अमेरिकी स्पेस फोर्स की मदद से होगी। दोनों नेताओं ने भारत में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट के माध्यम से एक अरब डॉलर की फंडिंग पर सहमति जताई है।